1 (Sem–1/FYUGP) HIN 41 MN/(B)

2025

HINDI

(Minor)

Paper : HIN4100104MN

(हिन्दी सम्प्रेषण)

(Set–B)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) हिन्दी में कितनी व्यंजन ध्वनियाँ हैं?

(ख) 'सम्प्रेषण' का सामान्य अर्थ क्या है?

(ग) 'प्रेषिती' किसे कहा जाता है?

(घ) ओष्ठ्य ध्वनि का एक उदाहरण दीजिए।

(ङ) गुरु-शिष्य के बीच पत्र-व्यवहार करते समय अभिवादन के लिए 'शुभाशीर्वाद' का प्रयोग सही है या गलत?

(च) 'चिराग तले अँधेरा' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

(छ) अभिवादन के लिए प्रयोग किए जाने वाले कोई दो शब्द लिखिए।

(ज) 'आँखें खुलना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **छः** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) लिखित सम्प्रेषण के कोई दो गुण बताइए।

(ख) पारिवारिक पत्र-लेखन का उद्देश्य क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) अच्छे पत्र-लेखन की दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) दाँत और जीभ के स्पर्श से बोली जाने वाली दो ध्वनियों के उदाहरण दीजिए।

(ङ) औपचारिक पत्र लिखते समय सम्बोधन और स्वनिर्देश के लिए प्रयुक्त होने वाले दो शब्द लिखिए।

(च) 'ऐ' और 'औ' ध्वनि के उच्चारण में क्या अंतर है?

(छ) यातायात-परिवहन संबंधी किन्हीं दो पारिभाषिक शब्दों के उदाहरण दीजिए।

(ज) अनौपचारिक पत्र-लेखन की दो उपयोगिताएँ बताइए।

(झ) कान पर बने किन्हीं दो मुहावरों के अर्थ सहित उदाहरण दीजिए।

(ञ) 'न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी'—इस लोकोक्ति का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) बुजुर्ग व्यक्ति से बातचीत करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(ख) सम्प्रेषण के प्रकारों का अति संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

(ग) आप किसी कारणवश अपने मित्र से कुछ समय तक नहीं मिल पाए हैं। मित्र को एक पत्र लिखकर आप अपने हाल-चाल, अध्ययन या अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी दीजिए और मित्र से मिलने की इच्छा व्यक्त कीजिए।

(घ) किसी वस्तु की खरीदारी करते समय दुकानदार और ग्राहक के बीच होने वाले वार्तालाप का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) "यदि आपका दृष्टिकोण अच्छा है, तो प्रतिक्रिया भी अच्छी मिलेगी। अगर दृष्टिकोण गलत है, तो प्रतिक्रिया भी गलत ही मिलेगी।" पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के इस कथन का भाव-पल्लवन कीजिए।

(च) आपके मुहल्ले में नाली और जल-निकासी की व्यवस्था खराब है। नगर निगम अधिकारी से इस समस्या को सुलझाने का आग्रह करते हुए पत्र लिखिए।

(छ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

अँगूठा दिखाना ; ईंट का जवाब पत्थर से देना ; गुस्सा पीना ; पेट में चूहे कूदना ; हाथ-पैर मारना।

(ज) उपयुक्त शीर्षक देकर निम्नलिखित गद्यांश का लगभग एक-तिहाई में संक्षेपण कीजिए :

"प्रकृति और मानव का संबंध अति प्राचीन और अविभाज्य है। मानव जीवन की सभी आवश्यकताओं— जल, वायु, भोजन, वस्त्र और आश्रय का स्रोत प्रकृति है। पर्वत, नदियाँ, जंगल, पेड़-पौधे और पशु-पक्षी न केवल जीवन को बनाए रखने में सहायक हैं बल्कि मानव के भावनात्मक और मानसिक विकास में भी योगदान देते हैं। प्रकृति का सौन्दर्य और शान्ति मनुष्य को सुख और प्रेरणा प्रदान करती है। मानव ने समय के साथ विज्ञान और तकनीक में प्रगति की लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण ने प्रकृति के संतुलन को प्रभावित किया है। जंगलों की कटाई, जल और वायु का प्रदूषण तथा जलस्रोतों का नुकसान मानव जीवन और पर्यावरण दोनों के लिए खतरा बन गया है। इस कारण से प्राकृतिक आपदाएँ और जलवायु परिवर्तन अधिक हो रहे हैं। मानव के लिए आवश्यक है कि वह प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखे और उसका संरक्षण करे। वृक्षारोपण,

जल-संरक्षण, कचरा-प्रबंधन और प्रदूषण-नियंत्रण जैसी गतिविधियाँ मानव और प्रकृति के बीच सौहार्द बनाए रखने में मदद करती हैं। प्रकृति न केवल मानव का जीवन-आधार है बल्कि यह उसके लिए मार्गदर्शक, शिक्षक और प्रेरणा-स्रोत भी है। यदि मानव प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करेगा तभी जीवन सुरक्षित, संतुलित और सुंदर रह सकता है।''

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) भाषा और सम्प्रेषण के बीच संबंध बताते हुए इसके महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।

(ख) साक्षात्कार से पूर्व किन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ग) बढ़ती हुई बेरोजगारी के संबंध में विचार करते हुए मित्र-मंडली के साथ हुई बातचीत का एक लिखित रूप प्रस्तुत कीजिए।

(घ) निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए :

(i) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन

(ii) पर्यटन का महत्त्व

(iii) सोशल मीडिया से लाभ और हानि

(ङ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

''परिश्रम मनुष्य के जीवन को अर्थपूर्ण और सफल बनाने वाला सबसे बड़ा गुण है। संसार का कोई भी कार्य बिना मेहनत के पूरा नहीं होता। जो व्यक्ति परिश्रम करता है वह कभी भी भाग्य का रोना नहीं रोता, बल्कि अपने कर्मों पर विश्वास रखता है। परिश्रमी व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारता, क्योंकि उसे पता होता है कि निरंतर प्रयास से हर बाधा पार की जा सकती है। प्रकृति भी परिश्रम की महत्ता को स्पष्ट करती है। छोटा-सा चींटा अपने से कई गुना भारी दाना उठाकर निरंतर आगे बढ़ता है और अंततः अपने लक्ष्य तक पहुँच ही जाता है। मधुमक्खी दिन-रात मेहनत करके मधुर शहद तैयार करती है। इन उदाहरणों से हमें सीख मिलती है कि नियमित श्रम से ही जीवन में मिठास और सफलता प्राप्त हो सकती है। परिश्रम मनुष्य के भीतर आत्मविश्वास, धैर्य और अनुशासन पैदा करता है। जब कोई व्यक्ति लगन से कार्य करता है, तो धीरे-धीरे उसके कौशल में निखार आता है और वह श्रेष्ठता की ओर बढ़ता है। इसके विपरीत, आलस्य मनुष्य को पीछे धकेलता है। आलसी व्यक्ति न तो समय का सही उपयोग कर पाता है और न ही अपनी क्षमताओं को पहचान पाता है।

अतः यह आवश्यक है कि हम जीवन में परिश्रम को प्राथमिकता दें। यदि हम ईमानदारी और लगन के साथ निरंतर मेहनत करते रहें, तो सफलता अवश्य मिलती है और जीवन प्रगति की राह पर आगे बढ़ता रहता है।''

प्रश्नावली :

(i) परिश्रम का मनुष्य के जीवन में क्या महत्त्व है? 2

(ii) प्रकृति परिश्रम की महत्ता किस प्रकार दर्शाती है? 2

(iii) परिश्रमी और आलसी व्यक्ति में क्या अंतर होता है? 2

(iv) परिश्रम से व्यक्ति के कौन-कौन से गुण विकसित होते हैं? 2

(v) लेखक ने जीवन में किस सिद्धांत को अपनाने की सलाह दी है? 2

★★★